चंदौली में सीमेंट की नकली बोरी बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, सैकड़ों बोरियां और डाई बरामद

Publish Date:Fri, 16 Jul 2021 09:12 PM (IST)Author: **Saurabh Chakravarty**

मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के हडिया गांव में शुक्रवार की रात नामी सीमेंट फैक्ट्री के नाम नकली बोरियों की छपाई कारखाने का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस व कंपनी के अधिकारियों की टीम ने छापेमारी में भारी मात्रा में कई नामी कंपनियों की नकली बोरियां व तीन डाई बरामद की।

चंदौली, जागरण संवाददाता। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के हडिया गांव में शुक्रवार की रात नामी सीमेंट फैक्ट्री के नाम नकली बोरियों की छपाई कारखाने का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस व कंपनी के अधिकारियों की टीम ने छापेमारी में भारी मात्रा में कई नामी कंपनियों की नकली बोरियां व तीन डाई बरामद की। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही कारखाना मालिक व मजदूर फरार हो गए थे। नकली बोरियों की सप्लाई रामनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्रियों की जाती थी। यहां स्थानीय व्यापारी अपने सीमेंट की पैकिंग कराकर नामी कंपनियों के नाम पर बेचते थे। कार्रवाई के बाद स्थानीय कारोबारियों में खलबली मची है।

सीमेंट कंपनी के रिजनल मैनेजर संजय शर्मा को शिकायत मिली थी कि डहिया गांव में उनकी कंपनी की फर्जी बोरियां छापने का काम चल रहा है। इस पर प्रबंधक शुक्रवार को जिले में पहुंचे। उन्होंने मामले की जानकारी एसपी अमित कुमार को दी। कप्तान के निर्देश पर मुगलसराय कोतवाली पुलिस हरकत में आई। रिजनल मैनेजर के साथ हडिया गांव में चिह्नित स्थान पर छापेमारी की। इस दौरान कारखाने का गेट तो खुला मिला लेकिन मालिक व कर्मचारी गायब थे। आशंका जताई जा रही है कि उन्हें पहले ही छापेमारी की सूचना मिल गई थी।

ऐसे में भाग खड़े हुए। हालांकि पुलिस ने मौके से तीन नामी कंपनियों की बोरियां व तीन डाई (जिससे बोरी की छपाई की जाती है) बरामद की। प्रबंधक ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि नकली बोरियों की छपाई कर रामनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सीमेंट फैक्ट्रियों में भेजा जाता था। यहां दूसरे ब्रांड की सीमेंट की इन बोरियों में पैकिंग कर कंपनी के नाम पर बेचा जाता था।

सरकारी कार्यों में होता है इस्तेमाल

नामी सीमेंट कंपनी का इस्तेमाल सरकारी ठीके पर होने वाले कार्यों में किया जाता है। लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत समेत अन्य विभागों की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों में स्थानीय व्यापारी इसी सीमेंट की सप्लाई करते हैं। इसके बदले विभागीय अधिकारियों की जेबें गरम कर दी जाती हैं। ताकि वे अपना मुंह बंद रखें। हालांकि नकली बोरी छापने वाले कारखाने का भंडाफोड़ होने के बाद स्थानीय व्यापारियों में भी खलबली मच गई है।

Source: https://www.jagran.com/uttar-pradesh/varanasi-city-fake-cement-sack-factory-busted-in-chandauli-hundreds-of-sacks-and-dye-recovered-21837282.html